एम्स में ट्यूब लगाकर बचाई नवजात की जान

- नवजात के फेफड़ों में नहीं पहुंच रहा था खून
- पहली बार आरवीओटी स्टेंटिंग तकनीक का उपयोग

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 अगस्त.एम्स अस्पताल में 12 दिन के बच्चे के फेफड़ों तक खून पहुंचने वाला रास्ता इतना सकरा था, जिससे बच्चे का ऑक्सीजन लेवल दिन व दिन गिरता जा रहा था. बच्चे का वजन केवल 2.1 किलोग्राम था,

ऐसे में एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पहली बार इस्तेमाल की गई अत्यंत जटिल आरवीओटी स्टेंटिंग तकनीक के जरिए इस

मासूम का सफल इलाज कर जान बचा ली. बता दें बच्ची के फेफड़ों तक खून न पहुंचने के कारण उसका ऑक्सीजन लेवल गिरकर केवल 55 प्रतिशत रह गया था. नवजात शिशु जन्मजात हृदय रोग डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकल की चपेट में था. इस गंभीर स्थिति में दिल से फेफड़ों तक खून ले जाने वाली नली बहुत पतली होती है और फेफड़ों का विकास भी अधूरा रह जाता है. डॉक्टरों के अनुसार बच्चे का ऑक्सीजन स्तर 12वें दिन अत्यधिक गिर गया, जिससे नवजात को तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखना पड़ा.

बिना सर्जरी के बचाई जान: बच्चे का वजन बेहद कम होने और हालत अत्यधिक गंभीर होने के कारण तुरंत बड़ी ओपन-हार्ट सर्जरी करना जानलेवा हो सकता था. ऐसे में एम्स भोपाल की विशेषज्ञ टीम ने बिना बड़ी सर्जरी किए बिना फेफड़ों तक खून का बहाव बढ़ाने का रास्ता चुना.

इन विशेषज्ञों की टीम ने किया कमाल

इस जटिल और संवेदनशील प्रक्रिया को इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी टीम के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भूषण शाह और डॉ. सुदेश प्रजापति ने अंजाम दिया. एनेस्थीसिया और नवजात शिशु चिकित्सा की विशेषज्ञ टीम का नेतृत्व डॉ. वैशाली वैंदेसकर और डॉ. चेतन खरे ने किया. दोनों विभागों के डॉक्टरों के सटीक समन्वय और तकनीक के सही उपयोग से यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा।

डॉक्टरों ने 'आरवीओटी स्टेंटिंग' तकनीक के तहत दिल से फेफड़ों की ओर जाने वाले संकरे रास्ते में बारीक स्टेंट (छोटा ट्यूब) लगाया.स्टेंट लगते ही नली का मार्ग खुल गया और फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में खून मिलना शुरू हो गया. जिसके बाद बच्चे का ऑक्सीजन स्तर सुधरकर 88 प्रतिशत पहुंच गया और अगले ही दिन उसे वेंटिलेटर सपोर्ट से पूरी तरह हटा लिया गया. डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की नियमित इकोकार्डियोग्राफी और दिल की जांच की जा रही है. करीब छह महीने की उम्र में, जब बच्चा पूरी तरह मजबूत हो जाएगा, तब उसकी अंतिम सर्जरी की योजना बनाई जाएगी.फिलहाल नवजात की हालत स्थिर है.

मेघदूतम् की मनमोहक नाट्य प्रस्तुति

- संस्कृत विश्वविद्यालय में महोत्सव का आयोजन

भोपाल, 25 अगस्त . केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित संस्कृत सप्ताह महोत्सव के तहत नाट्यशास्त्र अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र के संस्कृत रंगमंडल द्वारा महाकवि कालिदास की प्रसिद्ध कृति मेघदूतम् की अभ्यास नाट्य प्रस्तुति भवभूति प्रेक्षागार में की गई.

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. हंसधर झा ने की. मेघदूतम् में विरही यक्ष मेघ को दूत बनाकर अपनी प्रिया तक प्रेम और विरह का संदेश भेजता है. कालिदास ने काव्य में प्रेम, विरह, प्रकृति और मानवीय संवेदनाओं का भावपूर्ण चित्रण किया है. रंगमंडल ने अभिनय, आंगिक गतियों, संगीत और भावाभिव्यक्ति के प्रभावी समन्वय से इन भावों को मंच पर जीवंत किया. कलाकारों के अभिनय ने दर्शकों को यक्ष के विरह और प्रेम के साथ प्रकृति के अनुपम सौंदर्य से जोड़े रखा. प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि संस्कृत साहित्य को रंगमंच और आधुनिक माध्यमों से नई पीढ़ी तक अधिक सहजता से पहुंचाया जा सकता है. प्रस्तुति को कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेडी का संरक्षण, कुलसचिव आचार्य रा.गा. मुरलीकृष्ण का सहयोग और निदेशक आचार्य हंसधर झा का मार्गदर्शन मिला. नाट्य निर्देशन डॉ. संगीता गुन्देचा ने किया.

नगर में आज

शालाका चित्र प्रदर्शनी

समय- दोपहर 12 बजे से, **स्थान-** जनजातीय संग्रहालय

माह का प्रादर्श

समय- सुबह 10 बजे से, **स्थान-** मानव संग्रहालय

एक नजर में

झूलेलाल मंदिर में चालीहा साहिब का समापन

भोपाल, 25 अगस्त. संत हिरदाराम नगर के सबसे पुराने मंदिर प्राचीन श्री झूलेलाल मंदिर में चल रहे चालीहा साहिब का समापन मंगलवार को मंदिर में हुआ. इस अवसर पर सर्वप्रथम बहिराणा साहिब की ज्योत माधु चांदवानी व मंदिर सेवादारी अशोक मोतियानी ने प्रज्जवलित की .भगवान झूलेलाल के भजनों धर्मप्रेमी झूम उठे. भजन के बाद शोभायात्रा के रुप में बहिराणा साहिब शीतल दास की बगिया पर समापन हुआ. इस अवसर पर अशोक मारण, राकेश शेवानी, हीरो हिन्दू, किशोर साधवानी, परसराम थावानी, वासु मोतियानी, राजकुमार थावानी, भारती चांदवानी सहित कई लोग शामिल हुए.

ट्रेनिंग पूरी कर लौटे अंश-सुहानी का सम्मान

भोपाल , 25 अगस्त . इंडियन एयरफोर्स की ट्रेनिंग पूरी कर लौटे लक्ष्य अकादमी के छात्र अंश साहू एवं छात्रा सुहानी कुशवाह का विशेष सम्मान किया गया. अकादमी के डायरेक्टर अनुराग पाण्डेय ने दोनों सफल विद्यार्थियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें मेडल एवं बधाई स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया. इस अवसर पर अंश साहू के माता-पिता एवं बड़े भाई सोनेश साहू तथा सुहानी कुशवाह के पिता मलखान कुशवाह विशेष रूप से उपस्थित रहे. कार्यक्रम में अकादमी के वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश पुलिस में चयनित छात्र शिव मीणा भी उपस्थित रहे. उनका भी पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया. इसके साथ ही अग्निवीर परीक्षा 2026 में क्वालिफाइड छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया. विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए आगे की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया गया. संस्थान की सफलता में योगदान देने वाले टीचर्स एवं स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया. सफल विद्यार्थियों से मिलकर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने अंश साहू, सुहानी कुशवाह एवं शिव मीणा से परीक्षा और चयन की तैयारी को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया.

पीएम के ऑनलाइन संवाद से जुड़ेंगे खिलाड़ी-युवा

भोपाल, 25 अगस्त. राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर 27 अगस्त को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम होगा. इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन माध्यम से देशभर के युवाओं, खिलाड़ियों और विद्यार्थियों से जुड़ेंगे. रायसेन जिले में कार्यक्रम की मेजबानी विश्वविद्यालय को मिली है. कार्यक्रम में जिले के खिलाड़ी, विद्यार्थी, युवा स्वयंसेवक और खेल से जुड़े लोग शामिल होंगे. मंगलवार को विश्वविद्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि प्रधानमंत्री के संवाद से पहले स्वतंत्रता दिवस संदेश के प्रमुख अंशों का प्रसारण किया जाएगा. इसके बाद युवाओं और खिलाड़ियों के साथ परिचर्चा रखी गई है.

महादेव मंदिर में गुड़ के पानी से बाबा बटेश्वर का अभिषेक

भोपाल, 25 अगस्त. श्रावण मास के भौम प्रदोष के अवसर पर श्री बड़वाले महादेव मंदिर में बाबा बटेश्वर का गुड़ के पानी से अभिषेक किया गया. मांगलिक दोष से जुड़े बालक-बालिकाओं ने परिवार के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया.

श्रद्धालुओं ने तांबे के लोटे में गुड़ घोलकर बाबा का अभिषेक किया. शाम से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी. मंदिर समिति के संजय अग्रवाल और प्रमोद नेमा ने बताया कि भौम प्रदोष पर विशेष आयोजन किया गया. रात 9 बजे बाबा बटेश्वर का गुलाबी रत्न और

फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया. इसके बाद महाआरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. आयोजन में पन्ना मित्तल, अभिषेक लाला, केशव फुलवानी, आकाश अग्रवाल, मोनू राठौर और प्रकाश मालवीय सहित समिति सदस्य एवं श्रद्धालु मौजूद रहे.

राग-द्वेष से दूर रहना ही आत्मकल्याण का मार्ग

- विद्योदय तीर्थ में आचार्यश्री समयसागर जी ने कहा
- संयम और आत्मस्वरूप में स्थित होने का दिया संदेश

भोपाल, 25 अगस्त. विद्योदय तीर्थ एमपी नगर में मंगलवार को आचार्यश्री समयसागर जी महाराज के सान्निध्य में धर्मसभा आयोजित हुई. उन्होंने आत्मकल्याण के लिए राग-द्वेष और आसक्ति से दूर रहकर समता व संयम के साथ जीवन जीने पर जोर दिया गया. पंचायत कमेटी के मीडिया प्रभारी भविष्य जैन ने बताया कि सुबह रत्नकरण्डक श्रावकाचार और दोपहर में ग्रंथराज समयसार की कक्षा हुई.

समयसार की कक्षा में

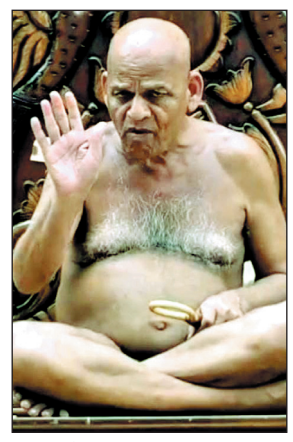

आचार्यश्री ने कहा कि जहां राग होता है, वहां द्वेष भी जुड़ा रहता है. विषयों और संयोगों के प्रति आसक्ति कर्मबंध का कारण बनती है. इसलिए कर्मों के उदय के समय भी सजग रहते हुए आत्मस्वरूप की ओर बढ़ना चाहिए. साधक को पर के आश्रय को छोड़कर अपने भीतर स्थित होने का प्रयास करना चाहिए. श्रावकाचार की कक्षा में उन्होंने कहा कि केवल ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे आचरण में उतारना भी जरूरी है. द्रव्य हिंसा के साथ भाव हिंसा से बचना, वचन और इंद्रियों पर संयम रखना तथा दूसरों के दोष देखने के बजाय अपने दोषों को दूर करना साधना का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि गुणी व्यक्ति के प्रति प्रसन्नता और उन्मार्ग पर चलने वालों के प्रति माध्यस्थ भाव रखना चाहिए. तप और साधना में अहंकार से बचते हुए विनय, करुणा और निर्मल भाव बनाए रखना ही आत्मकल्याण का मार्ग है.

मिलादुन्नबी का जुलूस आज

भोपाल. ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के नेतृत्व में पिछले करीब 30 वर्षों से निकाला जा रहा जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का पारंपरिक जुलूस इस वर्ष भी 26 अगस्त को श्रद्धा, शांति और भाईचारे के साथ निकाला जाएगा. कमेटी के संस्थापक हजरत डॉ. ओसाफ शाहमीरी खुर्रम द्वारा शुरू की गई इस परंपरा को आज भी जारी रखा जा रहा है. आयोजकों के अनुसार बुधवार को दोपहर 2 बजे मंगलवारा चौराहा से जुलूस रवाना होगा. इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले अकीदतमंदों के साथ धार्मिक एवं सामाजिक प्रतिनिधि, विभिन्न समुदायों के धर्मगुरु और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे.

कंपनी सचिव की परीक्षा के परिणाम घोषित

- खुशी और सानिया ने हासिल की देश में पहली रैंक

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 अगस्त.भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने जून - 2026 में आयोजित कंपनी सचिव परीक्षाओं के प्रोफेशनल और एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिए हैं.

बता दें कि परीक्षा के नतीजे संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए गए हैं. जहां अभ्यर्थी अपने विषय-वार अंक और ई-रिजल्ट-कम-मार्क स्टेटमेंट डाउनलोड कर सकते हैं. बता दें प्रोफोशनल प्रोग्राम (2022 पाठ्यक्रम) के ग्रुप 1 में 32.69

प्रतिशत और ग्रुप 2 में 29.49 प्रतिशत अभ्यर्थियों को सफलता मिली है. वहीं, एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम (2022 पाठ्यक्रम) की परीक्षा में ग्रुप 1 में 17.41 प्रतिशत और ग्रुप 2 में 22.19 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं.

प्रोनेशनल प्रोग्राम की परीक्षा में सीकर (राजस्थान) परीक्षा केंद्र की खुशी अग्रवाल और मुंबई (महाराष्ट्र) परीक्षा केंद्र की सानिया समीर खान ने संयुक्त रूप से देश भर में पहली रैंक हासिल की है. वहीं एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम परीक्षा में उदयपुर परीक्षा केंद्र की विधि सुधार ने ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक प्राप्त कर संस्थान और अपने शहर का नाम रोशन किया है.

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वर्कशॉप का समापन

भोपाल. राजधानी के मिंटो हॉल में मंगलवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वर्कशॉप संपन्न हुई. जिसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा किया गया. इस दौरान आयुष्मान भारत के सीईओ और कमिश्नर हेल्थ मप्र भी उपस्थित रहे. कार्यक्रम में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. कार्यक्रम में भारी संख्या में शासकीय और प्राइवेट अस्पताल के चिकित्सकों ने तथा पैरामेडिक्स स्टाफ ने भाग लिया. इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया.

आत्मसंघर्ष की जीवंत मिसाल 'सफेद चांद'

- रंगश्री लिटिल बैले सभागार में नाटक का मंचन
- चार दिवसीय नाट्य समारोह का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 25 अगस्त. राजधानी में पहली बार मंचित हुए एकल नाटक सफेद चांद की प्रस्तुति ने मंगलवार को जब हुई, तो दर्शक टकटकी लगाकर देखते रह गये. रंगश्री लिटिल बैले सभागार में रुद्राक्ष कल्चरल और वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित चार दिवसीय नाट्य समारोह का समापन रंगकुटी थिएटर सोसाइटी की सशक्त प्रस्तुति के साथ हुआ.

आरती विश्वकर्मा की मूल कहानी पर आधारित इस नाटक का प्रभावी नाट्य रूपांतरण और निर्देशन सुनील राज ने किया. नाटक बिंदु रमा नाम की एक सीधी-साधी विधवा स्त्री के जीवन के इर्द गिर्द घूमता नजर आया. पति के जाने के बाद दो छोटे बच्चों और सास की

जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ जाती है. जीवन यापन के लिए जब वह घर से बाहर कदम रखती है, तो समाज की गिद्ध दृष्टि और असुरक्षा का माहौल उसमें डर पैदा कर देता है. कहानी उस संग्राम को रेखांकित करती है, जहां एक अकेलापन झेल रही महिला समाज के तानों और अवसरों की तलाश में भटकते पुरुषों के बीच खुद से ही जंग छेड़ देती है.

मंच पर जीवंत होते दृश्य और संवाद

नाटक के दृश्य काफी प्रभावशाली ढंग से गढ़े गए हैं. पति शिव के लिखे प्रेरक शब्द रमा को दिशा देते हैं, तो वहीं उसकी सास का तीखा और यथार्थवादी संवाद नाटक का टर्निंग प्वाइंट बनता है. रमा इन तानों को अपना हथियार बनाकर अपने जीवन की बाधाओं को दरकिनार कर सफेद रंग को मनहूसियत के बजाय सफ़ेद चांद की चमक के रूप में स्वीकार करती है. मंच सज्जा में दो लंबे कपड़ों (लाल और सफेद) का प्रतीकात्मक प्रयोग दृश्य रूप से बेहद असरदार बना देता है. लाल रंग में लिपटना उसके सुहागन अतीत को दर्शाता है, जबकि सफेद रंग उसे कड़वे वर्तमान के यथार्थ में धकेलता है.

पंचकर्म, फूड फार ब्रेन से प्रभावी इलाज

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में वर्कशॉप का आयोजन, 22 राज्यों से प्रतिनिधि आए

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 25 अगस्त . एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सीएल चौकसे ऑडिटोरियम में एलएनसीटी एवं आयुर्वेद टीचर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 8 वें राष्ट्रीय सम्मेलन एटकॉन का समापन हुआ. 22-23 अगस्त को हुए सम्मेलन में देश के 22 राज्यों से 2200 से अधिक प्रतिनिधि, शोधार्थी, प्राचार्य और आयुष विशेषज्ञ शामिल हुए.

उद्घाटन सत्र में कुलाधिपति जेएन चौकसे की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन और धन्वंतरि स्तवन हुआ. महापौर मालती राय, डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय, डॉ. मनीषा

कोठेकर, डॉ. सुश्रुत कनौजिया, डॉ. अल्लमप्रभु गुड्डु, प्रो. असिम अली खान और डॉ. अतुल बाबू वार्ष्णेय प्रमुख रूप से मौजूद रहे. डॉ. अश्विनी गोडबोले, डॉ. मंगेश देशपांडे, डॉ. अतुल वार्ष्णेय, डॉ. संजय सिन्हा, डॉ. सुनील कुमार जोशी और डॉ. पीबी बेनी ने फूड फॉर ब्रेन, पंचकर्म, प्राकृतिक उपचार, मर्म चिकित्सा और त्वचा विकारों पर व्याख्यान दिए. सम्मेलन में 750 से अधिक शोधपत्र, थीसिस, मॉडल और पोस्टर प्रदर्शित किए गए. डॉ. यूएस निगम और वैद्य गोपालदास मेहता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया. आयुर्वेद शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न विषयों के शिक्षकों को बेस्ट टीचर अवॉर्ड प्रदान किए गए.एटीए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राहुल सुभाष सूर्यवंशी, राष्ट्रीय सचिव डॉ. नितिन चांदूरकर आदि उपस्थित थे.

खेल | 8 साल में टैलेंट खोजेंगे, अकादमी तक पहुंचाएंगे, जिलों की प्रतिभा को मिलेगी राह

भोपाल बनेगा खिलाड़ियों का हाई-परफॉर्मेंस हब

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 25 अगस्त. प्रदेश में अब 8 से 17 साल के खिलाड़ियों की स्कूल और स्थानीय स्तर पर पहचान कर उन्हें फीडर सेंटरों में प्रशिक्षण दिया जाएगा. इनमें से बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को रेसिडेंशियल अकादमियों तक पहुंचाने की व्यवस्था बनेगी.

नई खेलो इंडिया योजना 2026-31 को लेकर ,मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम में हुई प्रेस वार्ता में खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि इस मॉडल से खिलाड़ी को शुरुआती उम्र से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक तैयार

करने का रास्ता बनाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि अभी रेसिडेंशियल अकादमियों में मुख्य रूप से 18 साल या उससे अधिक उम्र के खिलाड़ियों को लिया जाता है. नई व्यवस्था में टैलेंट सर्च के बाद बच्चों को पहले फीडर सेंटरों से जोड़ा जाएगा. योजना में भोपाल को हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने पर भी जोर है. जिलों से चुने खिलाड़ी आगे की ट्रेनिंग, स्पोर्ट्स साइंस और विशेषज्ञों की मदद के लिए राजधानी सहित बड़े केंद्रों से जोड़े जाएंगे. प्रदेश में अभी 52 खेलो इंडिया सेंटर चल रहे हैं. इनके ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने की बात कही गई है. केंद्र ने योजना के लिए 2026 से 2031 तक 36,441 करोड़ रुपए रखे हैं. मंत्री ने कहा कि करीब 90 विधानसभा क्षेत्रों में स्टेडियम हैं, जबकि शेष 140 क्षेत्रों के लिए योजना पर काम चल रहा है.

नई व्यवस्था में खिलाड़ियों को कोचिंग के अलावा डाइट, आवास, किट, यात्रा, मेडिकल सहायता और पढ़ाई में सहयोग देने का प्रावधान है.

> साई के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान के अनुसार, यह पिछली योजना की तुलना में करीब आठ गुना अधिक है. खेल ढांचे के विकास में केंद्र और राज्य की हिस्सेदारी 60:40 रहेगी. पहले मौजूदा मैदानों, स्टेडियमों और खेल परिसरों की जरूरत का आकलन किया जाएगा. इसके आधार पर उपकरण, कोचिंग और अन्य सुविधाओं के प्रस्ताव बनाए जाएंगे.

भोपाल की सानिया-अमना ने जीता राष्ट्रीय कांस्य

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 25 अगस्त. पुणे में हुई 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 3-1 से हराकर कांस्य पदक जीता. टीम की इस जीत में भोपाल की सानिया सैयद और अमना भी सदस्य रहीं.

कांस्य पदक के मुकाबले में मध्यप्रदेश ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाया. काजल ने दो गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, जबकि तन्वी ने एक गोल किया. छत्तीसगढ़ की टीम एक ही गोल कर सकी. मध्यप्रदेश की कनक पाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. मध्यप्रदेश की टीम सेमीफाइनल में झारखंड से शूटआउट में हार गई थी. निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था. इसके बाद टीम ने तीसरे स्थान के मैच में वापसी करते हुए छत्तीसगढ़ को हराया. विजेता टीम में राधिका दंडोतिया, कनक पाल, अपूर्वा, रोआंक, रितिका, मित्तली, समीक्षा, काजल, तन्वी, ताहिरा पूजा, चंचल, सुजाता, तेजस्वी, कुदरत, सानिया सैयद और अमना शामिल थीं. टीम के साथ कोच देवकी नंदन, अंशु, प्रवीण और विजय रहे.